पाठ 18

1. परमेश्वर ने नूह से कहा कि वह उन सभी लोगों को नष्ट करने के लिए जलप्रलय भेजने जा रहा है जो परमेश्वर पर विश्वास नहीं करते हैं। क्या परमेश्वर वह करना भूल जाता है जो वह कहता है कि वह करेगा?

-नहीं।

2. क्या परमेश्वर हमेशा वही करता है जो वह कहता है कि वह करेगा?

-हां।

3. परमेश्वर ने नूह के समय के लोगों को उस पर विश्वास करने के लिए कितने समय तक प्रतीक्षा की?

-120 साल।

4. जबकि परमेश्वर ने लोगों के उस पर विश्वास करने की प्रतीक्षा की, क्या उनके पाप के साथ उनका क्रोध कम हुआ?

-नहीं।

-पाप से परमेश्वर का क्रोध तभी तक बढ़ता है जब तक परमेश्वर को पाप का दंड देने का समय नहीं आता।

5. नूह द्वारा नाव का निर्माण समाप्त करने के बाद, परमेश्वर ने नूह को क्या करने के लिए कहा?

-परमेश्वर ने नूह को अपने परिवार को ले जाने और नाव में प्रवेश करने के लिए कहा।

-परमेश्वर ने नूह को जानवरों को नाव में ले जाने के लिए भी कहा।

6. नूह और उसका परिवार नाव में कैसे चढ़ा?

-अकेले दरवाजे से।

7. सभी जानवर नाव में कैसे घुसे?

-अकेले दरवाजे से।

8. नूह और उसके परिवार और सभी जानवरों के नाव पर चढ़ने के बाद, परमेश्वर ने क्या किया?

-परमेश्वर ने दरवाजा बंद कर दिया।

9. परमेश्वर ने दरवाजा क्यों बंद किया?

-ताकि अंदर के लोग सुरक्षित रहें।

-ताकि बाहर के लोग प्रवेश न करें, बल्कि मर जाएं।

10. क्या कोई परमेश्वर की सजा से बच सकता है?

-नहीं।

11. परमेश्वर ने कैसे जलप्रलय को पूरी पृथ्वी को ढक दिया?

-जलप्रलय को पूरी पृथ्वी को ढकने के लिए, परमेश्वर ने आकाश के ऊपर रखे सभी जल को बरसाने का कारण बना दिया।

12. क्या लोगों ने पहले कभी बारिश देखी थी?

-नहीं।

13. नाव के बाहर के सभी जानवरों का क्या हुआ?

- वे सभी मर गए।

14 . नाव के बाहर के सभी लोगों का क्या हुआ?

- वे सभी मर गए।

15. क्या नाव के अंदर कोई मर गया?

-नहीं।

16. परमेश्वर ने नूह और सभी लोगों को क्या चिन्ह दिया?

-एक इन्द्रधनुष।

17. इंद्रधनुष के चिन्ह का क्या अर्थ है?

-इंद्रधनुष का अर्थ है कि परमेश्वर फिर कभी बाढ़ से पृथ्वी को नष्ट नहीं करेंगे।

18. क्या परमेश्वर ने जलप्रलय द्वारा पृथ्वी को फिर से नष्ट न करने के अपने वादे को पूरा किया है?

-हां।

19. नूह के पुत्र कौन थे जो पृथ्वी पर सभी लोगों के पूर्वज हैं?

-शेम, हाम और येपेत।

-जब परमेश्वर ने नूह और उसके परिवार को बाढ़ से बचाया, तो कई साल बीत गए।

-कई साल बीत गए, और कई बच्चे पैदा हुए, जब तक कि कई लोग एक बार फिर पृथ्वी पर नहीं रहे।

-नूह के बाद पैदा हुए लोग कौन थे?

-वे तुम्हारे पूर्वज और मेरे पूर्वज थे।

-क्या हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में पता था?

-हां।

-हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में कैसे पता चला?

-सबसे पहले, हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में पता था क्योंकि बड़े लोगों ने छोटे लोगों को परमेश्वर और बाढ़ के बारे में बताया था।

-बूढ़ों ने छोटे लोगों को परमेश्वर और बाढ़ के बारे में क्या बताया?

-वृद्ध लोगों ने छोटे लोगों से कहा कि परमेश्वर पाप से घृणा करता है, और इसलिए, नूह और उसके परिवार को छोड़कर सभी लोगों को नष्ट कर दिया था।

-हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में और कैसे पता चला?

-दूसरी बात, हमारे पूर्वज परमेश्वर के बारे में जानते थे क्योंकि इंद्रधनुष ने उन्हें परमेश्वर के बारे में बताया था।

-इंद्रधनुष ने हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में क्या बताया?

-कि परमेश्वर लोगों से प्रेम करता है, और वह पृथ्वी को फिर कभी बाढ़ से नष्ट नहीं करेगा।

-हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में और कैसे पता चला?

-तीसरा, हमारे पूर्वज परमेश्वर के बारे में जानते थे क्योंकि आकाश, पहाड़ों, नदियों और पेड़ों ने उन्हें परमेश्वर के बारे में बताया था।

-आकाश, पहाड़ों, नदियों और पेड़ों ने हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के बारे में क्या बताया?

-कि केवल ईश्वर ही ईश्वर है, और लोगों को केवल ईश्वर का अनुसरण करना चाहिए।

-क्या आज भी इंद्रधनुष हमें परमेश्वर के बारे में बताता है?

-हां।

-क्या आकाश, पहाड़, नदियाँ और पेड़ आज भी हमें ईश्वर के बारे में बताते हैं?

-हां।

-हालाँकि हमारे पूर्वज ईश्वर के बारे में जानते थे, क्या हमारे अधिकांश पूर्वज ईश्वर में विश्वास करते थे?

-नहीं।

-हमारे कुछ पूर्वज ही परमेश्वर में विश्वास करते थे।

-परमेश्वर का अनुसरण करने के बजाय, हमारे अधिकांश पूर्वजों ने किसका अनुसरण किया?

-हमारे अधिकांश पूर्वजों ने शैतान और उसके झूठ का अनुसरण किया।

-हमारे अधिकांश पूर्वज शैतान के नियंत्रण में थे।

-शैतान ने हमारे पूर्वजों को क्या करने के लिए कहा था?

-शैतान ने हमारे पूर्वजों को सूर्य, चंद्रमा और सितारों को बलिदान करने के लिए कहा था।

-शैतान ने हमारे पूर्वजों को पेड़ों की आत्माओं, नदियों की आत्माओं और मृतकों की आत्माओं को बलिदान करने के लिए भी कहा।

-हमारे पूर्वजों ने भी लोगों और जानवरों की तरह दिखने के लिए लकड़ी और चट्टान की नक्काशी की और उन्हें बलिदान दिया।

-शैतान हमारे पूर्वजों को ईश्वर पर विश्वास नहीं करने के लिए प्रेरित कर रहा था।

-शैतान हमारे पूर्वजों को परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह करने के लिए प्रेरित कर रहा था।

-शैतान हमारे पूर्वजों को सूर्य, चंद्रमा और सितारों को बलिदान करने के लिए प्रेरित कर रहा था।

-शैतान हमारे पूर्वजों को पेड़ों की आत्माओं, नदियों की आत्माओं और मृतकों की आत्माओं को बलिदान करने के लिए प्रेरित कर रहा था।

-शैतान नहीं चाहता कि कोई परमेश्वर की पूजा करे।

-हमारे पूर्वज नहीं चाहते थे कि परमेश्वर उनकी अगुवाई करें।

-हमारे पूर्वज केवल शैतान और अन्य लोगों का अनुसरण करना चाहते थे।

-बाढ़ के बाद, हमारे पूर्वजों में से एक जिसका लोग अनुसरण करते थे, उनका नाम निम्रोद था।

-निम्रोद ने लोगों को बहुत से नगर बनाने की आज्ञा दी।

-लोगों ने जिन नगरों का निर्माण किया उनमें से एक का नाम बाबेल था।

-बाबेल शहर में, निम्रोद ने लोगों को एक लंबा टॉवर बनाने की आज्ञा दी, जो परमेश्वर तक पहुंच जाएगा।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 11:1-4

1-अब पूरी दुनिया में एक भाषा और एक आम बोली थी।

2-जब लोग पूर्व की ओर बढ़े, तो उन्होंने शिनार में एक मैदान पाया और वहाँ बस गए।

3-उन्होंने आपस में कहा, "आओ, हम ईंटें बनाकर अच्छी तरह सेंक लें।" वे पत्थर के स्थान पर ईंट और गारे के लिए टार का प्रयोग करते थे।

4-उन्होंने कहा, "आओ, हम अपने लिए एक नगर बना लें, जिसका एक गुम्मट आकाश तक पहुंचे, कि हम अपना नाम करें, और सारी पृथ्वी पर फैल न जाएं।"

-परमेश्वर ने आदम और नूह को पृथ्वी को भरने और पृथ्वी के विभिन्न भागों में रहने के लिए कहा।

-परमेश्वर ने नूह के बाद के लोगों से कहा कि वे पृथ्वी को भर दें, और पृथ्वी के विभिन्न भागों में रहें।

-परमेश्वर क्यों नहीं चाहते थे कि सभी लोग एक साथ एक जगह रहें?

-परमेश्वर नहीं चाहते थे कि सभी लोग एक साथ एक जगह रहें ताकि वे परमेश्वर को भूल जाएं।

-परमेश्वर नहीं चाहता था कि सभी लोग एक साथ एक जगह रहें ताकि उनके पाप बहुत अधिक हो जाएं।

-परमेश्वर चाहता था कि लोग पृथ्वी को भर दें, लेकिन लोग चाहते थे कि सभी एक साथ एक ही स्थान पर रहें।

-लोग दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में नहीं रहना चाहते थे।

-लोग सभी एक साथ रहना चाहते थे।

-इसलिए, सभी लोग बाबेल शहर में चले गए, और एक लंबा टॉवर बनाने लगे।

-लोगों ने बाबेल में एक लंबा टॉवर क्यों बनाना शुरू किया?

-क्योंकि लोगों को बहुत गर्व था।

-क्योंकि लोग अपना नाम कमाना चाहते थे।

-जब लोगों ने ऊंचे टॉवर का निर्माण शुरू किया, तो क्या परमेश्वर ने देखा?

-हां।

आइए पढ़ें उत्पत्ति 11:5

5-परन्तु यहोवा उस नगर और उस गुम्मट को देखने आया, जिसे वे लोग बना रहे थे।

-परमेश्वर ने देखा कि लोग एक लंबा टॉवर बना रहे हैं।

-परमेश्वर सब कुछ देखता है।

-परमेश्वर हर जगह सभी लोगों को देखता है।

-परमेश्वर आप में से प्रत्येक को हर समय देखता है।

-क्या परमेश्वर सभी लोगों के सभी विचारों को जानता है?

-हां।

-इससे पहले कि कोई एक विचार भी सोचने लगे, परमेश्वर उसके सभी विचारों को पूरी तरह से जानता है।

-क्या परमेश्वर सभी लोगों के सभी वचनों को जानता है?

-हां।

-इससे पहले कि कोई कुछ कहना शुरू करे, परमेश्वर उसके सभी शब्दों को पूरी तरह से जानता है।

-क्या परमेश्वर सभी लोगों के सभी कर्मों को जानता है?

-हां।

-इससे पहले कि कोई कुछ करना शुरू करे, परमेश्वर सब कुछ जानता है जो वह पूरी तरह से करने जा रहा है।

-लोगों को लगा कि परमेश्वर उनके बारे में भूल गए हैं।

-क्या परमेश्वर लोगों के बारे में भूल जाते हैं?

-परमेश्वर कभी नहीं भूलते कि लोग क्या सोचते हैं।

-परमेश्वर कभी नहीं भूलते कि लोग क्या कहते हैं।

-परमेश्वर कभी नहीं भूलते कि लोग क्या करते हैं।

-परमेश्वर ने क्या कहा जब उसने देखा कि लोग उसकी अवज्ञा कर रहे हैं?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 11:6-7

6-यहोवा ने कहा, “यदि वे एक ही भाषा बोलनेवाले होकर ऐसा करने लगें, तो जो कुछ करने की उनकी योजना नहीं है वह उनके लिए असम्भव होगा।

7-आओ, हम नीचे उतरें और उनकी भाषा को भ्रमित करें ताकि वे एक-दूसरे को न समझ सकें।

-क्योंकि हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर की अवज्ञा की, परमेश्वर ने उन्हें दंडित करने का फैसला किया।

-परमेश्वर ने क्या सजा दी थी?

-परमेश्वर लोगों को अलग-अलग भाषाएं देंगे ताकि लोग एक-दूसरे को समझ न सकें।

-अगर परमेश्वर लोगों को अलग-अलग भाषाएं देते, तो क्या लोग एक-दूसरे को समझ पाते?

-नहीं।

-अगर परमेश्वर लोगों को अलग-अलग भाषाएं देते, तो क्या वे ऊंचे टॉवर का निर्माण पूरा कर पाते?

-नहीं।

-अगर परमेश्वर लोगों को अलग-अलग भाषाएं देते, तो क्या सभी लोग एक साथ एक जगह रह पाते?

-नहीं।

-बहुत समय पहले हमारे पूर्वज केवल एक ही भाषा बोलते थे।

-लेकिन क्योंकि हमारे पूर्वजों ने परमेश्वर की अवज्ञा की और पृथ्वी को भरने से इनकार कर दिया, परमेश्वर ने उन्हें अलग-अलग भाषाएं दीं।

-बाबेल में, परमेश्वर ने सभी लोगों को अलग-अलग भाषाएँ दीं।

-अंग्रेजी भाषा की शुरुआत बाबेल से हुई थी।

-फ्रेंच भाषा की शुरुआत भी बाबेल से हुई थी।

-स्पेनिश भाषा की शुरुआत भी बाबेल से हुई।

-बाबेल में सभी भाषाएं शुरू हुईं।

-जब परमेश्वर ने सभी लोगों को अलग-अलग भाषाएँ दीं, तो उसने और क्या किया?

आइए पढ़ें उत्पत्ति 11:8-9

8 तब यहोवा ने उन्हें वहां से सारी पृथ्वी पर तित्तर बित्तर कर दिया, और उन्होंने नगर बनाना छोड़ दिया।

9-इस कारण उसका नाम बाबेल पड़ा, क्योंकि वहां यहोवा ने सारे जगत की भाषा को भ्रमित किया। वहाँ से यहोवा ने उन्हें सारी पृथ्वी पर फैला दिया।

-जब परमेश्वर ने सभी लोगों को अलग-अलग भाषाएं दीं, तो परमेश्वर ने सभी लोगों को पृथ्वी पर अलग-अलग स्थानों पर बिखेर दिया।

-परमेश्वर चाहते थे कि लोग पृथ्वी को भर दें, लेकिन लोग एक ही स्थान पर रहना चाहते थे।

-लोगों की जीत हुई या परमेश्वर की जीत हुई?

-परमेश्वर जीत गए।

-क्या कोई परमेश्वर से लड़ सकता है और जीत सकता है?

-नहीं।

-जो लोग उसके खिलाफ लड़ते हैं, उनके लिए परमेश्वर क्या करेंगे?

-वह उन्हें सजा देगा।

-परमेश्वर ने लोगों को पृथ्वी पर अलग-अलग जगहों पर बिखेर दिया।

-कुछ लोग पास-पास चले गए।

-कुछ लोग दूर चले गए।

-आपके पूर्वज आखिर यहां कैसे पहुंचे?

-कई, कई वर्षों के बाद, आपके पूर्वज यहां पैदल और नाव से आए थे।

-इस तरह आपके लोगों की शुरुआत हुई।

-इस तरह सभी अलग-अलग लोगों की शुरुआत हुई।

-आपके पूर्वज बाबेल में थे।

-मेरे पूर्वज बाबेल में थे।

-सभी लोगों के पूर्वज बाबेल में थे।